प्र० 1 — दो अकीय (भाषा बोध)

(1) शीघ्र पत्र देने की कृपा करे

(2) श्री कृष्ण के अनेक नाम है।

प्र० 2 (1) अनेक बार मैंने उसे समझाया, छठ न को।

(2) आपका पत्र क्यों नही मिला ?

1 अल्पविराम एक विराम चिन्ह है जिसका प्रयोग बहुत थोड़ी देर रुकने के संकेत के लिए होता है। जैसे - शिवाजी, महाराणा प्रताप आदि।

प्र० 4 (1) धोखा देना – आजकल व्यक्ति आंखों में धूल झोंककर किसी भी व्यक्ति को लूट लेते है।

(2) बना बनाया काम बिगाड़ देना – कार्य पूर्ण होने से पहले ही विनोद ने गुड़ गोबर कर दिया।

प्र० 5 (1) मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार हूँ।

(ii) शिरीष के फूल मेरे मानस में हिलोरें जरूर पैदा करते हैं।

प्र० 6 आपसी फूट मे नुकसान

वाक्य प्रयोग – राम अपने भाई की सारी नीतियां विपक्षी दल को बता दी और वह जीत गया इसे कहते है घर का भेदी लंका ढाए।

Scanned with CamScanner

अर्थ – कपटपूर्ण व्यवहार

राहुल की मित्रता एक दिखावा है उसके तो
मुह में राम बगल मे छुरी है

बोलना एक विशिष्ट कला है, जिसका आवश्यक गुण यह है कि सुनने वाला या सुनने वाले बोलने वाले के भाव को अच्छी तरह समझ सकें। इसके लिए यह अनिवार्य है कि बोलने वाला बीच-बीच में आवश्यकतानुसार कुछ-कुछ ठहरकर बोले। यही क्रम बोलने में होता भी है। वह किसी पद, वाक्यांश या वाक्य को बोलते समय ठहरता जाता है। इस विश्राम को व्याकरण में 'विराम' कहते हैं। लिखते समय ऐसे स्थानों पर कुछ चिह्न लगा दिये जाते हैं। इन चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं। शाब्दिक अर्थ के अनुसार 'विराम' का अर्थ है—रुकाव, ठहराव अथवा विश्राम। बोलने में कहीं कम समय लगता है और कहीं ज्यादा। इसी दृष्टि से चिह्न 5/10 " कम समय और अधिक समय के अनुसार अलग-अलग होते हैं। इनके अतिरिक्त कुछ और भी चिह्न होते हैं, जिनका अध्ययन साहित्य के विद्यार्थी के लिए अत्यन्त अनिवार्य है।

चिह्नों का महत्त्व इतना अधिक है कि भूल से गलत स्थान पर चिह्न लगा देने से वाक्य का अर्थ बदल जाता है, अत: चिह्न लगाने में पूर्ण सावधानी रखना आवश्यक है; जैसे—

रुको मत जाओ। (*कोई चिह्न नहीं*)

Scanned with CamScanner

रुको मत जाओ। (*कोई चिह्न नहीं*)

रुको, मत जाओ। (*जाने का निषेध*)

राष्ट्र भाषा हिन्दी में आजकल उसके विकास के साथ-साथ विराम चिह्नों की संख्य
और प्रयोग बढ़ता जा रहा है। प्रमुख विराम चिह्न जिनका आजकल प्रयोग बहुतायत से होता है
निम्नानुसार हैं—

क्रमांक	विराम चिह्न का नाम	चिह्न
(1)	अल्प विराम	(,)
(2)	अर्द्ध विराम	(;)
(3)	पूर्ण विराम	(।)
(4)	प्रश्न चिह्न	(?)
(5)	विस्मयादि बोधक चिह्न	(!)

Scanned with CamScanner

(2) जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।

इस संसार में जन्म देने वाली जननी (माँ) होती है और संसार में आने के पश्चात पालन-पोषण करने वाली जन्मभूमि होती है। इस प्रकार जननी और जन्मभूमि सबसे श्रेष्ठ होती हैं। इन दोनों के बिना मनुष्य का जन्म तथा जीवन सम्भव नहीं है। ईश्वर के बाद जननी ही पूज्य तथा श्रद्धेय होती है। हम जन्मभूमि पर निवास करते हैं, उसी के अन्न, फल, दूध आदि से हमारा शरीर पुष्ट होता है। इसीलिए जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।

Scanned with CamScanner

लोकोक्ति और मुहावरे में अन्तर–

1. लोकोक्ति पूर्ण होती है जबकि मुहावरा वाक्यांश होता है।

2. लोकोक्ति पूर्ण स्वतंत्र होती है, जबकि मुहावरा पूर्ण स्वतंत्र नहीं होता।

3. लोकोक्ति को अपना भाव प्रकट करने के लिए वाक्यांश की आवश्यकता नहीं, जबकि मुहावरा किसी वाक्य या वाक्यांश के जुड़कर अपना भाव प्रकट करता है।

4. लोकोक्ति में क्रिया कभी प्रारंभ में रहती है, कभी मध्य में आ जाती है और कभी अन्त में जबकि मुहावरे में यह अंत में होती है किंतु सभी मुहावरों में क्रिया आवश्यक नहीं है।

Scanned with CamScanner

3 अंकीय प्रश्न

प्र० 5 (1) जान बूझकर तंग करना

प्रयोग – सुरेश ने रमेश से कहा तुम अपना काम करो क्यो मेरी छाती मे मूंग दल रहे हो।

(2) भाग जाना

प्रयोग – चोर ने पुलिस को देख कर तीन तेरह हो गया।

(3) अचानक मुसिबत आना।

प्रयोग – राम के पिता के मृत्यु के बाद राम पर पहाड टूट पडा।

प्र॰ ५

यही तो, मैं कह रहा हूँ उसे अकेले सारी दौड़-भाग करने की क्या मतलब थी। हम लोग किस लिए हैं, कल ध्रुव फूलेगा तो क्या करेगा।

Scanned with CamScanner